दिनांक : 13-02-2020

प्रिय अभिभावक,

शायद आपने इन दिनों बहुत ही संवेदनशील ढंग से तैयार किया गया टीवी विज्ञापन देखा होगा, जहां एक पिता अपनी स्कूल जाने वाली बेटी को अपनी कार में ले जा रहा है। बेटी परेशान दिखाई देती है और उसके मन में उथल-पुथल चल रही है, क्योंकि उसे लगता है कि उसकी परीक्षाएं बहुत अच्छी नहीं हुई, और वह अपने पिता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरेगी। पिता की सहज प्रवृत्तियाँ प्रगाढ़ होती है। वह अनुमान लगाता है कि उस पर क्या गुजर रही है और उसे सहसा यह सोचकर अच्छा नहीं लगता कि उसने अपनी बेटी को उन कठिनाइयों से निपटने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं बनाया है जो उसके जीवन में अचानक और बिना संकेत के आ गयी हैं। कितना शक्तिशाली संदेश है !

यह सच है कि भारत में विज्ञापन अक्सर शक्तिशाली सामाजिक संदेश पर केंद्रित होते हैं। यहाँ लेकिन केवल यही मुद्दा नहीं है। यह उदाहरण वास्तव में बहुत सूक्ष्म है और 21वीं सदी में माता-पिता के बदलते दृष्टिकोण को सही ढंग से प्रतिबिंबित करता है। हमें पूरी उम्मीद है कि एक अभिभावक के रूप में आप समय के साथ बदलने की आवश्यकता को समझते हैं। स्कूली शिक्षा अब ध्यान दिए जाने के एक क्षेत्र के रूप शैक्षणिक विषयों पर ही केंद्रित नहीं है; वास्तव में, अब ध्यान एक विशिष्ट कौशल विकसित करने पर है, अर्थात अधिगम के प्रति लगाव। माता-पिता के रूप में, आप अपने बच्चे की अधिगम स्तर के विकास में योगदान करते हैं यदि आप उस समय से उनकी जिज्ञासाओं को बढ़ाते हैं जब वे बच्चे हैं, और जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं, तो उन्हें एक जिज्ञासु और रचनात्मक होने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इस प्रकार यह हमारे जैसे राष्ट्र के बच्चों के लिए 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण कौशलों में से दो यानि अभिनव प्रकृति और उद्यमशीलता के विकास की नींव रखता है।

नवोन्मेषी और उद्यमी बनने हेतु अपने बच्चे का नेतृत्व करने के लिए, आपको दूसरों के साथ तुलना करने के बजाय उसकी अद्वितीय क्षमता को पहचानना होगा। हो सकता है आपके मित्र का बच्चा गणित में अच्छा हो और इंजीनियर बनना चाहता हो, लेकिन आपका बच्चा रंगमंच में अच्छा हो और वह फिल्म निर्माता बनना चाहता हो। संभावित रोजगारों की संख्या असीमित है, इसलिए अभिभावकों के रूप में हमारे मन में जो भी सीमाएं हैं, वे महान उपलब्धियों को प्राप्त करने में हमारे बच्चों के लिए रुकावट नहीं बननी चाहिए।

मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप अपने बच्चे को स्वयं की आकांक्षाओं को प्राप्त करने का माध्यम न

बनाएँ। मैं आपसे यह भी आग्रह करता हूं कि आप अपने बच्चे को जीवन-स्थितियों का सामना करने के लिए सशक्त बनाएं। जैसे कि माता-पिता को उपर्युक्त विज्ञापन से पता चलता है, जब हम वयस्कों को जीवन में बहुत से उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ता है, तो हम अपने बच्चों से हमेशा ऊपर की ओर बढ़ने की उम्मीद क्यों करें! इसलिए, सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा आपके ठोस सहयोग में ऐसा आत्मविश्वास प्राप्त करें, ताकि यदि उसे प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़े तो वह ऐसा बिना निराशा या मोहभंग के कर सके।

आपके मजबूत समर्थन के साथ, हमें यकीन है कि आपका बच्चा इस साल अपनी बोर्ड परीक्षा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा, और भविष्य के बारे में चिंता करने की बजाय अपने वर्तमान पर केन्द्रित होगा। अपने बच्चों को हमारी तरफ से आशीर्वाद दें और उन्हें परीक्षा की शुभकामनाएं दें। इस बीच, यहां कुछ बातें हैं जो आपको अपने बोर्ड परीक्षा में बैठने वाले बच्चे के लिए सुनिश्चित करने की आवश्यकता है :

1. आप अपने बच्चे के साथ परीक्षा शुरू होने से **कम से कम एक दिन पहले परीक्षा केंद्र का स्थान अवश्य देख लें**। सही स्थान जानने के लिए, आप हमारी **परीक्षा केंद्र लोकेशन ऐप** (एंड्रॉयड फोन पर उपलब्ध) का उपयोग कर सकते हैं।
2. सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा केवल **स्कूल की वर्दी पहने हुए** परीक्षा केंद्र में जाए, और स्कूल आईडी कार्ड लेकर जाए।
3. आपके बच्चे को **परीक्षा केंद्र पर सुबह 9:45 बजे तक और निश्चित रूप से सुबह 10:00 बजे से पहले पहुँच जाना चाहिए। कृपया नोट करें कि सुबह 10:00 बजे के बाद परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं है।** यह सुनिश्चित करने के लिए, आपके बच्चे को परीक्षा केंद्र के लिए अपना निवास स्थान, यातायात, शहर में वीआईपी दौरे, मौसम की स्थिति आदि को ध्यान में रखते हुए छोड़ना होगा।
4. ध्यान रखें कि आपके बच्चे को परीक्षा के दिन **पर्याप्त आराम** और पूरे दिन पौष्टिक भोजन मिले।
5. यह जांच लें कि आपके बच्चे के पास केवल **एडमिट कार्ड, स्कूल पहचान पत्र, पेन, पेंसिल, इरेज़र, स्केल, शार्पनर हैं**; इन सभी को एक **पारदर्शी पाउच** में ले जाना चाहिए जिसमें सामग्री बाहर से दिखाई दे।
6. यह सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा **मोबाइल, बटुआ, पर्स आदि** परीक्षा केंद्र में नहीं ले जा रहा है।

7. अपने बच्चे को **अनुवीक्षक द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का पालन करने के लिए सतर्क करें, विशेष रूप से उत्तर पुस्तिका में रोल नंबर लिखने की विधि** के बारे में।
8. **परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों या अनैतिक प्रथाओं में लिप्त होने के परिणामों के बारे में** अपने बच्चे के साथ चर्चा करें, और उनसे ऐसा न करने की प्रतिज्ञा लें।
9. अपने बच्चे को समझाएं और **उन्हें अफवाह फैलाने से बचने और सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए फर्जी वीडियो और संदेशों पर विश्वास न करने के लिए** प्रतिबद्ध करें।
10. अपने बच्चे को **परीक्षा केंद्र में अनुशासन बनाए रखने** की निरंतर आवश्यकता से अवगत करें।
11. **यदि आपका बच्चा बेंचमार्क निःशक्तता के अंतर्गत आता है**, तो ध्यान रखें कि बोर्ड ने आपके बच्चे के लिए परिपत्र संख्या सं. सीबीएसई/ समन्वय/112200/2019 दिनांक 12 अप्रैल, 2019 के अनुसार प्रावधान किए हैं।
12. यदि आपका बच्चा मधुमेह का रोगी है, तो अवगत हों कि बोर्ड ने आपके बच्चे के लिए परिपत्र संख्या सीबीएसई / समन्वय /एएससी / 112567/2046 दिनांक 21.02.2017 के अनुसार प्रावधान किए हैं।

बच्चे के लिए सबसे महत्वपूर्ण संदेश और अपेक्षित कार्य (की रूपरेखा) आपके अपने घर के भीतर है। आपका बच्चा आपको देख रहा है और आपके जैसा ही बनना चाहता है। हम आप सभी को शुभकामनायें देते हैं कि आप अपने बच्चे के साथ कोमलता से, प्यार से, सावधानीपूर्वक, धैर्यपूर्वक, उत्साहवर्धक और नैतिक ढंग से व्यवहार करें और ऐसे व्यक्ति बनें जैसा कि आप अपने बच्चे को बनाना चाहते हैं।

अध्यक्ष
सीबीएसई